ರಾಜ್ಯ ಮಟ್ಟದ ಎಸ್.ಎಸ್.ಎಲ್.ಸಿ. ಪೂರ್ವ ಸಿದ್ಧತಾ ಪರೀಕ್ಷೆ, ಫೆಬ್ರವರಿ/ಮಾರ್ಚ್–2024ರ ಮಾದರಿ ಉತ್ತರಗಳು

ವಿಷಯ ಸಂಕೇತ: 61H

ವಿಷಯ : ತೃತೀಯ ಭಾಷೆ – ಹಿಂದಿ

(सरकारी हाईस्कूल तोरलक्की मालूर तालूक, कोलार जिला)

I

1. (B) कम
2. (D) कुतिया
3. (A) गलियाँ
4. (C) बिठाना
5. (B) वृद्धि
6. (D) तत्पुरुष
7. (A) प्रश्नवाचक
8. (B) के

II

9. झब्बेदार
10. व्यंग्य रचना
11. झबरू
12. चुगलखोर

III

13. रोज़ एक सेब खाने से 'डॉक्टर' ज़रूरत नहीं होगी ।
14. लेखक परसाईजी ने धूप का चश्मा 'टेबुल' पर रखा था ।
15. 'समय' ईश का दिया हुआ अनुपम धन है ।
16. हंस सिर्फ 'दूध' पीकर पानी छोडने क गुण है ।

17. किन्द्रू लालिम और किंचा लालीदम ने किन–किन जानवरों से मुलाकात की ?

किन्द्रू लालिम और किंचा लालीदम ने "हाथी, साँप, भैंस, और मछली" से मुलाकात की ।

18. धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत क्यों थी ?

धीरज सक्सेना को बुद्धिमान रोबोट की ज़रूरत इस लिए थी कि उनके 'नाती–पोतों का होमवर्क कराने के लिए एवं वर्ड प्रोसेसर पर उनका काम सँभालने के लिए भी ।'

19. 'कश्मीरी सेब' पाठ का संदेश क्या है ?

लेखक अपने अनुभव बताते हुए पाठकों को सचेत करते हैं कि, 'अगर खरीदारी करते समय सावधानी नहीं तो धोखा खाने की संभावना होती है ।'

20. नमाज़ के बारे में जैनुलाबदीन के विचार क्या थे ?

जैनुलाबदीन नमाज़ के बारे में कहते है कि 'जब तुम नमाज़ पढ़ते हो तो तुम अपने शरीर से इतर ब्रहमांड का एक इस्सा बन जाते हो, जिसमें दौलत, आयु, जाति या धर्म – पंथ का कोई भेदभाव नहीं होती ।'

21. बालकृष्ण अपनी माता से क्या–क्या शिकायतें करता है ?

बालकृष्ण अपनी माता से शिकायत करता है कि, 'बलराम मुझे काला कहकर पुकारता है । मुझे मोल लिया है ऐसा कहता है और सब ग्वाल दोस्त मुझे चुटकी दे देकर छिडाते है ।'

***22.* कविता के आधार पर समय का सदुपयोग कैसे करना चाहिए ?**

'काम करने का जो अवसर प्राप्त होता है, उसे व्यर्थ जा ने न देने से और समय को सच्चा साथी बना लेना ही समय का सदुपयोग कर लेना है ।

23. सौर–मंडल में शनि ग्रह का स्थान क्या है ?

सौर–मंडल के सबसे बडे ग्रह बृहस्पति के बाद शनि ग्रह की कक्षा है । शनि सौर–मंडल का दूसरा बड़ा ग्रह है । प्रकृति ने इस ग्रह के गले में खूबसूरत हार डाल दिये हैं । शनि के इन वलयों या कंकणों ने इस ग्रह को सौर–मंडल का सबसे सुंदर एवं मनोहर ग्रह बनाया है । शनि सौर–मंडल का सर्वधिक सुंदर ग्रह है ।

अथवा

शनि का निर्माण किस प्रकार हुआ है ?

बृहस्पति की तरह शनि का वायुमंडल भी हाइड्रोजन, हीलियम, मीथेन तथा एमोनिया गैसों से बना है ।

24. शास्त्र में सत्य बोलने का तरीका कैसे समझाया गया है ?

किसी को परेशान करने, दुखी करने के उद्देश्य से सत्य बोलना नहीं चाहिए । काने को ‘ काना’ कहकर पुकारना या लंगडे को उस जैसी नकल कर दिखाना सच बोलना नहीं होता यह तो सिर्फ छेडना हुआ । इस बात को शास्त्र में समझाया गया है ।

अथवा

मीना मैडम ने अंत में छात्रों से क्या कहा ?

मीना मैड़म ने अंत में छात्रों से कहते है कि, आज के बच्चे ही कल के नागरिक हैं । हम आज से नहीं अब से ही नागरिक कर्तव्यों का पालन करना चाहिए । इससे आपका हित तो होगा ही, देश का कल्याण भी होगा ।

V

25. गिल्लू और महादेवी वर्माजी के भावनात्मक संबंध के बारे में अपने शब्दों में लिखिए ।

महादेवी वर्मा के पास बहुत से पशु–पक्षी थे और उनका लगाव भी उन्हे कम नही था परन्तु उनमें से गिल्लू पर महादेवी वर्माजी को ज्यादा प्यार था । लेखिका ने गिलहरी को बडी कठिनाई से थाली के पास बैठना सिखाया । जहाँ बैठकर गिल्लू एक–एक चावल उठाकर बडी सफाई से खाना सिखाया । जब गिल्लू की जीवन–यात्रा का अंत आ गया । तब उसके पंजे इतने ठंडे हो रहे थे कि लेखिका ने उसे हीटर जलाया और उसे उष्णता देने का प्रयत्न किया । इन घटनाओं से पता चलता है कि महादेवी वर्माजी को गिल्लू के प्रति अधिक ममता थी ।

26. पंडित राजकिशोर के मानवीय गुण अनुसरणीय हैं । कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

पं. राजकिशोर मजदूरों के नेता थे । वे गरीबों के प्रति हमेशा हमदर्दी दिखाते थे । इसी कारण वे गरीब बसंत के पास छलनी खरीदा उसके भरोसे पर ही एक नोट उसके हाथ में दिया था । प्रताप द्वारा मोटर दुर्घटना के विषय मालूम होने पर वे सीधे अहीर टीले में रहने वाले घर जाता है । वहाँ डॉक्टर को भी बुलाता है और उसे चिकित्सा करवाता है । इससे पता चलता है कि पं.राजकिशोर के मानवीयता अत्यंत उच्च स्थान में है ।

27. ‘वीडियो कान्फरेन्स’ की उपयोगिता के बारे में लिखिए ।

वीडियो कान्फरेन्स (काल्पनिक सभागार) में एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8–10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते है । एक ही कमरे मे बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार–विनिमय कर सकते है ।

28. गाँव को आदर्श गाँव कैसे बनाया जा सकता हैं ?

गाँव को साफ – सुथरा रखने से, गाँव के लोगों को एक नया जीवन प्रदान करने से, गाँव में पेड़–पौधे लगाकर हरा–भरा करने से और विशेष रूप से गाँव में स्वच्छ वतावरण उत्पन्न करने से गाँव को आदर्श गाँव बनाया जा सकता है ।

29.बचेन्द्री पाल एक साहसी महिला हैं । कैसे ? स्पष्ट कीजिए ।

बचेन्द्री पाल का बचपन बहुत मुश्किल में बीता । बचपन में बचेन्द्री पाल रोज़ 5 किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाता पड़ता था । सिलाई का काम सीख लिया और सिलाई करके पढ़ाई का खर्च जुटाने लगी । इसी तरह उन्होंने संस्कृत में एम.ए तथा बी.एड तक की शिक्षा प्राप्त की । बचेन्द्री पाल ने पहाड़ पर चढ़ने के लिए अनेक पहाडों पर चढ़कर अपने लक्ष्य को ताज़ी रखी । बिछेन्द्री ने एवरेस्ट चढ़ने के दिन सुबह चार बजे उठी , बर्फ पिघलाई और चाय बनाई । कुछ बिस्कुट और आधी चॉकलेट का हल्का नाश्ता करने के पश्चात वे लगभग साढ़े पाँच बजे अपने तंबू से निकल पड़ी ।

30. मातृभूमि कविता में 'भारत माता' का स्वरूप कैसे वर्णित है ?

कवि भारत माता के स्वरूप के बारे में कहते है कि, भारत माता के एक हाथ में न्याय का पताका है और दूसरे हाथ में ज्ञान का दीप है । इन दोनों के सहायता से जग का रूप बदल दें माँ , कोटि–कोटि भारत वासी आज तेरे साथ है । भारत के सकल नगर और ग्राम में जय हिन्द का नाद गूँजना चाहिए ।

31. कविता के आधार पर आधुनिक मानव की भौतिक साधना का वर्णन कीजिए ।

'प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरुष आसीन' इस पंक्ति का आशय यह है कि, आज मानव ने प्रकृति के हर तत्व पर विजय प्राप्त कर ली है और प्रकृति पर मानव सवार है एवं प्रकृति को अपने नियंत्रण में रखा है ।

32.निम्नलिखित दोहे का भारार्थ अपने शब्दों में लिखिए:

तुलसीदासजी कहते है कि राम नाम जपने से हम आंतरिक और बाह्य रूप से शुद्ध हो जाते है । जिस प्रकार देहलीज पर दिया रखने से घर के बाहर और अंदर प्रकाश फैलता है ।

33.बचपन में अब्दुल कलाम के तीन अच्छे दोस्त थे – रामानंद शास्त्री, अरविंदन और शिवप्रकाश । ये तीनों ही ब्राहमण परिवारों से थे । रामानंद शास्त्री तो रामेश्वरम मंदिर के सबसे बड़े पुजारी पक्षी लक्ष्मण शास्त्री का बेटा था ।

ಬಾಲ್ಯಕಾಲದಲ್ಲಿ ಅಬ್ದುಲ್ ಕಲಾಮ್ ರವರಿಗೆ ಮೂವರು ಒಳ್ಳೆಯ ಸ್ನೇಹಿತರಿದ್ದರು. ರಾಮಾನಂದ್ ಶಾಸ್ತ್ರಿ, ಅರವಿಂದನ್ ಮತ್ತು ಶಿವಪ್ರಕಾಶ್. ಈ ಮೂವರು ಬ್ರಾಹ್ಮಣ ಪರಿವಾರದವರಾಗಿದ್ದರು. ರಾಮಾನಂದ್ ಶಾಸ್ತ್ರಿಯು ರಾಮೇಶ್ವರಂ ಮಂದಿರದ ಎಲ್ಲರಿಗಿಂತ ಹಿರಿಯ ಪೂಜಾರಿಯಾಗಿದ್ದ ಪಕ್ಷಿ ಲಕ್ಷ್ಮಣ ಶಾಸ್ತ್ರಿಯ ಮಗನಾಗಿದ್ದನು.

VI

34.कर्नाटक की शिल्पकला का परिचय दीजिए ।

कर्नाटक राज्य की शिल्पकला अनोखी है । बादामी, ऐहोले, पट्टदकल्लू के मंदिरों की शिल्पकला और वास्तुकला अद्भुत है । बेलूर, हलेबीडू, सोमनाथपुर के मंदिरों की मूर्तियाँ रामायण, महाभारत और पुराणों की कहानियाँ सुनती है । श्रवणबेलगोल में 57 फुट ऊँची गोमटेश्वर की शिला मूर्ति दुनिया को त्याग और शांति का संदेश दे रही है ।

अथवा

कर्नाटक के साहित्यकारों की कन्नड भाषा तथा संस्कृति को क्या देन है ?

कर्नाटक के अनेक साहित्यकारों ने सारे संसार में कर्नाटक की कीर्ति फैलाया है । वचनकार बसवण्णा क्रांतिकारी समाज सुधारक थे । अक्कमहादेवी, अल्लम प्रभु, सर्वज्ञ जैसे संतों ने अपने वचनों द्वारा प्रेम, दया और धर्म की सीख दी है । आधुनिक काल के डॉ. चन्द्रशेखर कंबार, गिरीष कार्नाड आदि प्रसिद्ध साहित्यकार है । इस तरह कन्नड भाषा तथा संस्कृति कर्नाटक के लिए गौरव है ।

35. ***कोशिश करनेवालों की कभी हार नही होती***

असफलता एक चुनौती है, इसे स्वीकार करो,
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो ।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम,
संघर्ष का मैदान छोडकर मत भागो तुम ।

VII

36. (अ) कबीरदास का जन्म 'काशी' में हुआ ।
(आ) कबीरदास का जन्म 'एक ब्राह्मण' परिवार में हुआ ।
(इ) कबीरदास का लालन – पालन 'नीमा और नीरू' नामक जुलाहा दंपति ने किया ।
(ई) कबीरदास ने 'समाज की कुरितियों को दूर करने का प्रयास किया ।'

VIII

37. इंटरनेट – एक वरदान

<u>प्रस्तावना ;</u>

आज का युग इंटरनेट युग है । बडे बूढों से लेकर छोटे बच्चों तक सब पर इस इंटरनेट का असर पड़ा है । इसके द्वारा दूर के रहनेवाले रिश्तेदार या दोस्तों को कोई विचार, विषय, स्थिर चित्र, वीडियो चित्र हो आसानी से कम खर्चे में भेजी जाती है ।

अर्थ ;

अनगिनत कंप्यूटरों के कई अंतर्जालों का एक दूसरे से संबंध स्थापित करने का जाल को इंटरनेट कहते है ।

योगदान;

ई–गवर्नेंस द्वारा सरकार के सभी कामकाज का विवर्ण, अभिलेख, सरकारी आदेश को यतावत लोगों को सूचित किया जाता है । इससे प्रशासन पारदर्शि बन सकता है ।

व्यापार में इंटरनेट द्वारा घर बैठे–बैठे खरीदारी कर सकते है । कोई भी बिल भर सकते है । बैंकिंग में इंटरनेट द्वारा दुनिया की किसी भी जगह पर चाहे जितनी भी रकम भेजी जा सकती है ।

वीडियो कान्फरेन्स (काल्पनिक सभागार) में एक जगह बैठकर दुनिया के कई देशों के प्रतिनिधियों के साथ 8–10 दूरदर्शन के परदे पर चर्चा कर सकते है । एक ही कमरे मे बैठकर विभिन्न देशों में रहनेवाले लोगों के साथ विचार–विनिमय कर सकते है ।

‘ सोशियल नेटवर्किंग ’ एक क्रांतिकारी खोज है, जिसने दुनिया भर के लोगों को एक जगह पर ला खड़ा रखा है । सोशियल नेटवर्किंग के कई साइट्स है । जैसे – फेसबुक, आरकुट, ट्विट्टर, लिंकडइन, आदि । इन साइटों के कारण देश–विदेश के लोगों की रहन–सहन, वेश–भूषा, खान–पान के अलावा संस्कृति, कला आदि की जानकारी मिलती है ।

उपसंहार;

इंटरनेट सचमुच एक वरदान है । उसने जीवन के हर क्षेत्र में अपना कमाल दिखाया है । जैसे – चिकित्सा, कृषि, अंतरिक्ष ज़ान, विज़ान, शिक्षा आदी । यहाँ तक कि देश के रक्षादलों की कार्यवाही में इंटरनेट का बहुत बड़ा योगदान है ।

IX

त्रिशांत कुमार
सरकारी हाईस्कूल
तोरलक्की
मालूर तालुक
कोलार जिला

दिनांक–28–02–2024
तोरलक्की

सेवा में ,
कक्षाध्यापकजी,
सरकारी हाईस्कूल
तोरलक्की
मालूर तालुक
कोलार जिला

मान्यवर,

विषय :– छुट्टी के लिए पत्र ।

उपर्युक्त विषय के संबंध में दिनांक:29–02–2024 से 01–03–2024 तक मेरा भाई का शादी है । इस कारण मैं स्कूल आ नहीं पाउँगा / गी ।

इस कारण आप से मेरा सविनय प्रार्थना है कि आप मुझे तीन दिन की छुट्टी देने की कृपा करें ।

धन्यवाद ।

आप का आज्ञाकारी छात्र
त्रिशांत कुमार